# एक बस हमारी अपनी

लेखन: फ्रैडी विलियमस् इवान्स

चित्र: शॉन कोस्टैलो

भाषान्तर: पूर्वा याज्ञिक कुशवाहा

मेबल जीन की सबसे दिली चाहत है कि वह पढ़ने स्कूल जा सके। पर स्कूल पाँच मील की दूरी पर है। एक नन्ही लड़की के लिए यह दूरी काफ़ी ज़्यादा है, खासकर सर्दी या बरसात में। पैदल स्कूल तक की दूरी तय करते वक़्त मेबल जीन और दूसरे अफ़्रीकी-अमरीकी बच्चे एक बस देखते हैं, जो गोरे बच्चों को उनके स्कूल ले जाती है। ''हमारी अपनी भी एक बस क्यों नहीं हो सकती?'' मेबल जीन आख़िर अपने माता-पिता से पूछ ही लेती है।

वास्तविक घटनाओं पर आधारित 'एक बस हमारी अपनी' बताती है कि अपने बच्चों को शिक्षित होने में मदद करने के लिए एक समुदाय किस तरह एकजुट होता है। फ़्रैडी इवान्स की यह मर्मस्पर्शी कथा पाठकों को प्रेरणादायक लगेगी। शॉन कोस्टैलो के चित्र 1940 और 50 के दशक के दक्षिण को बख़ूबी उजागर करते हैं।

# एक बस
# हमारी अपनी

लेखन: फ्रैडी विलियमस् इवान्स

चित्र: शॉन कोस्टैलो

भाषान्तर: पूर्वा याज्ञिक कुशवाहा

मेरे स्वर्गीय मामाओं सी.डब्ल्यू. 'स्मिथ' कॉटन तथा जो ई. कॉटन सीनियर; ममेरी बहनों कैरी बैल लूइस व मेबल लूइस सीटन; जिन लोगों ने उस पहली बस में सवारी की या उसमें योगदान दिया; कोलीन पैली व पैट्रीशिया मिककिसैक; के लिए।

- एफ.डब्ल्यू.ई.

मेरे बेटे ड्रू कोस्टैलो के लिए।

- एस.सी.

"रफ्तार बनाए रखनी होगी मेबल जीन," जैफ ने ज़ोर देकर कहा। मेबल जीन ने जल्दी कदम उठाने की भरसक कोशिश की। पर वह कर नहीं पाई। नतीजतन अब वह और उसका भाई दूसरे बच्चों से बहुत पीछे छूट गए थे।

"मैं तुम्हें उठाऊँगा नहीं," उसने सख़्ती से कहा। "अगर तुम सबके साथ चल नहीं सकतीं, तो तुम्हें स्कूल जाने के बदले घर बैठना होगा।"

"मैं तेज़-तेज़, साथ चलूंगी," वह बुदबुदाई।

जैफ, मेबल जीन को याद दिला रहा था कि उनके पापा ने क्या कहा था। "अगर तुम पाँच मील पैदल नहीं चल सकती, तो तुम्हें अगले साल तक घर ही रहना होगा। पर मेबल जीन उसी साल स्कूल जाने पर आमादा थी, कोई बाधा उसे रोक नहीं सकती थी।

जब तक जैफ मेबल जीन को उसकी कक्षा में लाया, स्कूल शुरू हो चुका था। "टंकी से पानी पिओ और कुछ देर सुस्ता लो," उसकी शिक्षिका मिज़ (मिसेज़) पावल ने कहा।

मेबल जीन बाकी बच्चों के साथ तब बैठी जब चीन-बेरियों को गिनने का समय हो चुका था। उसने पंद्रह तक गिनती की। "बहुत खूब, मेबल जीन," मिज़ पावल ने कहा। "अब अपने पास बैठे बच्चे की मदद करो।"
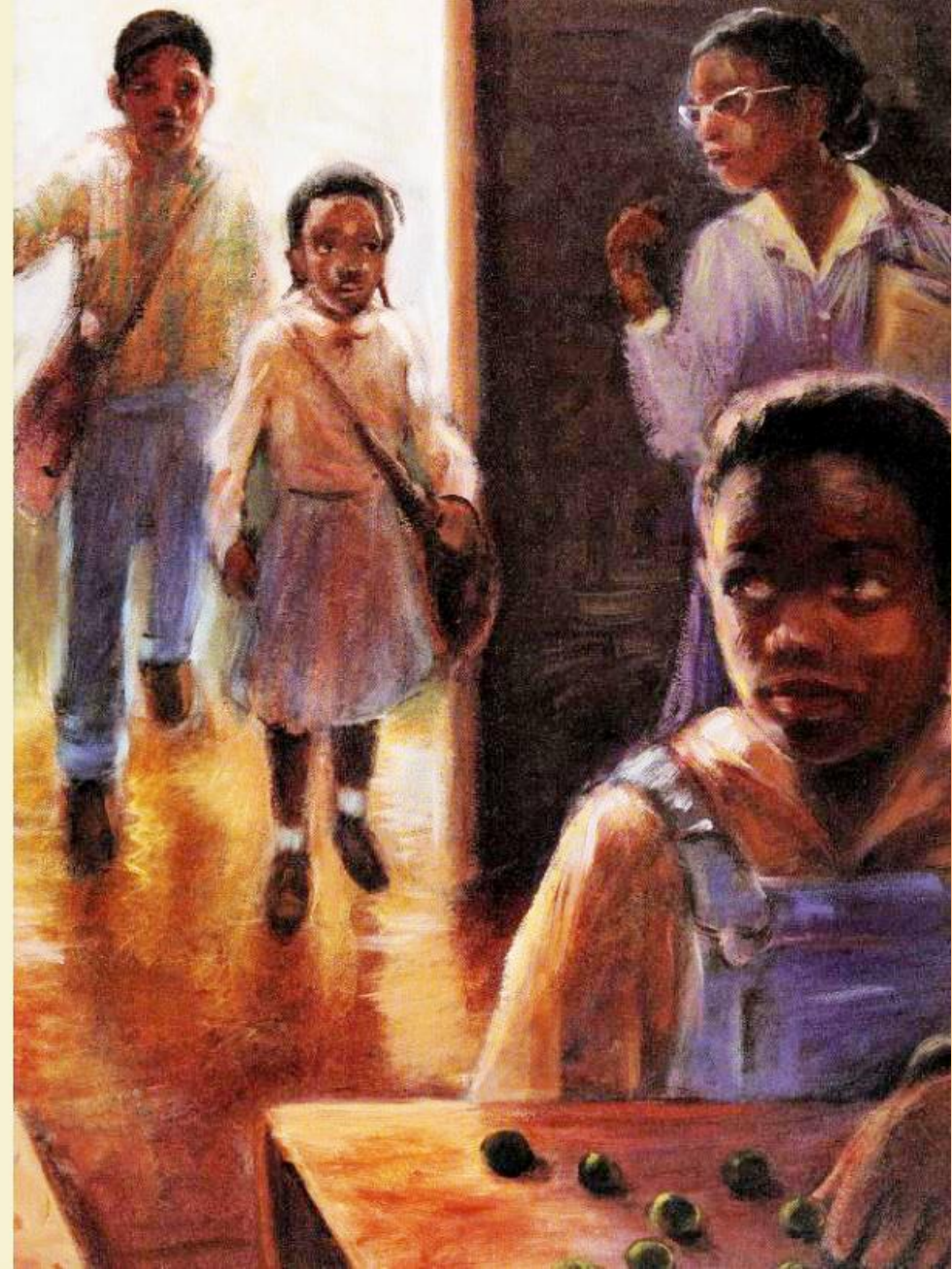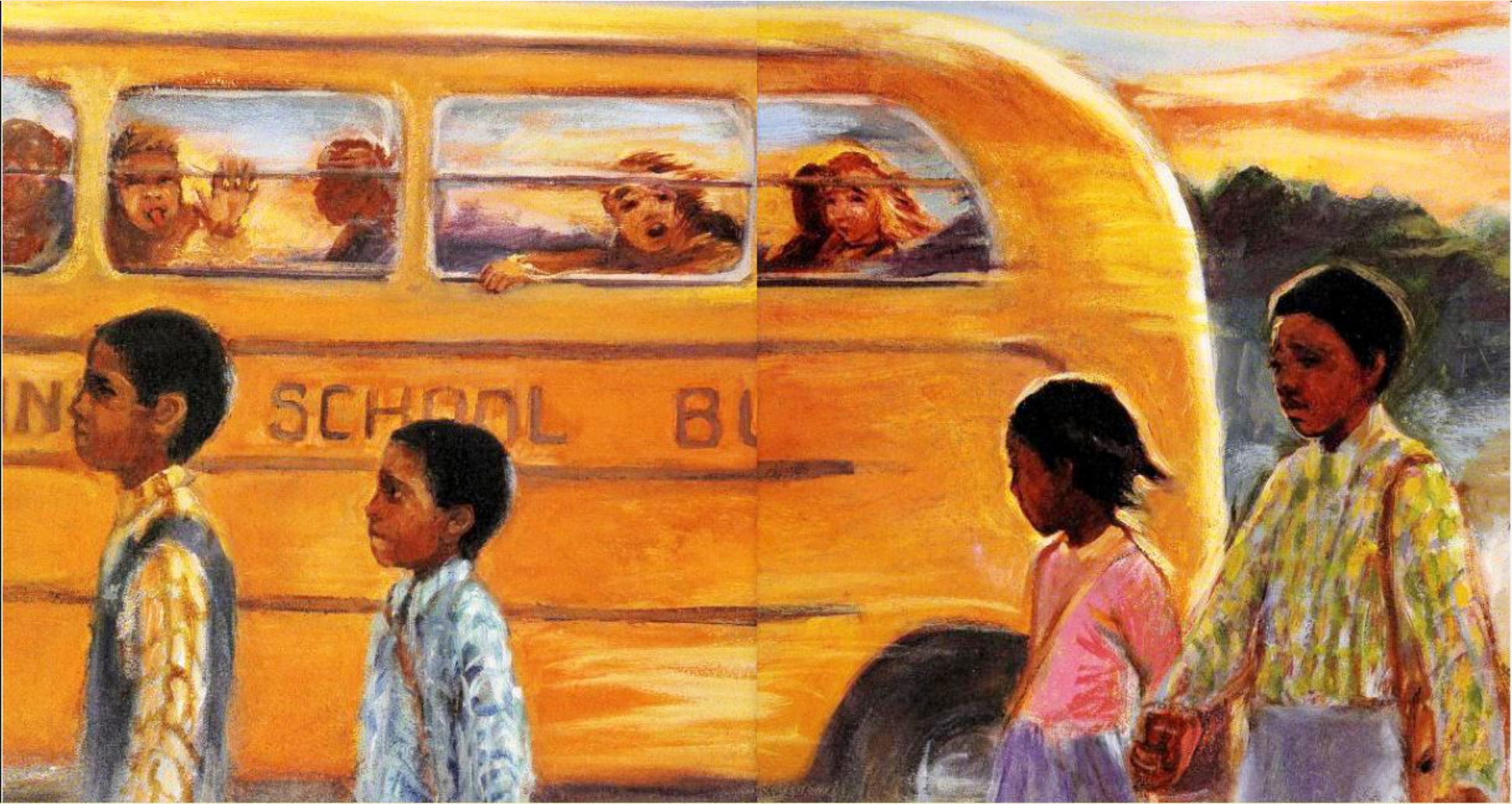
स्कूल के बाद मेबल जीन और दूसरे बच्चे पक्की सड़क के किनारे-किनारे घर को लौटने लगे। "तुम लोग आगे चलो," जैफ ने अपने दोस्तों से कहा। "मुझे मेबल जीन के साथ चलना होगा।" कई गाड़ियाँ सड़क पर से गुज़रीं। तब एक स्कूल बस भी। पर उसमें सिर्फ गोरे बच्चे थे।

"ना-ना-ना-ना, तुम्हें पैदल है चलना," उन्होंने मेबल जीन और दूसरे पैदल बच्चों को छेड़ा, कुछ अपशब्द भी बके। जैफ ने उसका हाथ पकड़ लिया ताकि वह डरे नहीं।

वे हैंडरसन परिवार की ज़मीन से छोटा रास्ता पकड़ आगे बढ़े। अचानक मेबल जीन एक ठूंठ से टकराई। उसके पैर में दर्द की लहर उठी, मानो सैकड़ों मधुमक्खियों ने डंक मारा हो। उसका घुटना लचका ओर वह नीचे गिर पड़ी।

"चलो उठो, मेबल जीन!" जैफ ने रुक कर उसकी मदद करते कहा।

"मैं...मैं...खुद चलूंगी," उसने ज़िद की। पर उससे उठा तक नहीं जा रहा था। जैफ ने दोहराया कि वह उसे कतई उठाएगा नहीं, पर उसने ठीक यही किया।

मेबल जीन का दिल उसके पैर से कहीं ज़्यादा तब दुखने लगा जब उसे अपने पापा की चेतावनी याद आई।
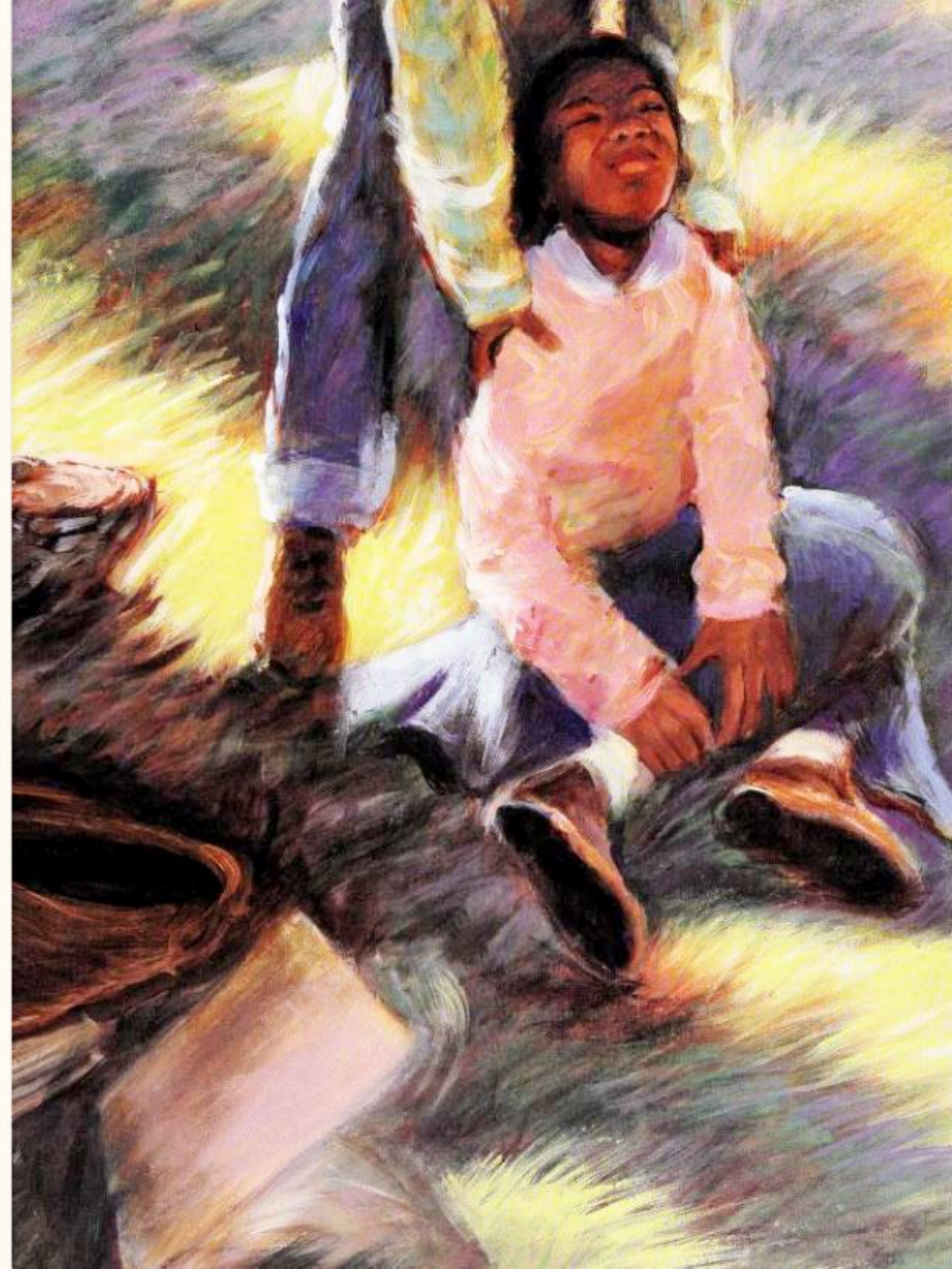
“अगर कुछ दिन पैर पर वज़न न डालो, तो वह जल्दी ठीक होगा,’ ’माँ ने उसे बिस्तर में सुलाते वक़्त कहा। पर मेबल जीन को फ़िक्र यह थी कि पापा क्या कहेंगे।

“लगता है मेबल जीन के लिए स्कूल तक पैदल चलना भारी पड़ रहा है,” खेत से लौटने पर पापा ने कहा।

“पापा, मेहरबानी से मुझे अगले साल तक घर पर मत रोकिएगा,” उसने चिरौरी की। “पैर की चोट एक हादसा था। मैं स्कूल तक चल सकती हूँ। मुझे एक मौका और दीजिए।”

पिता ने सिर झुकाया, सब चुप थे।

“अच्छा...,” वे झिझके। “अच्छा...एक बार और कोशिश करेंगे।”

“शुक्रिया पापा,” उसने कहा और पिता का मन बदले उसके पहले ही झट बिस्तर में दुबक गई।
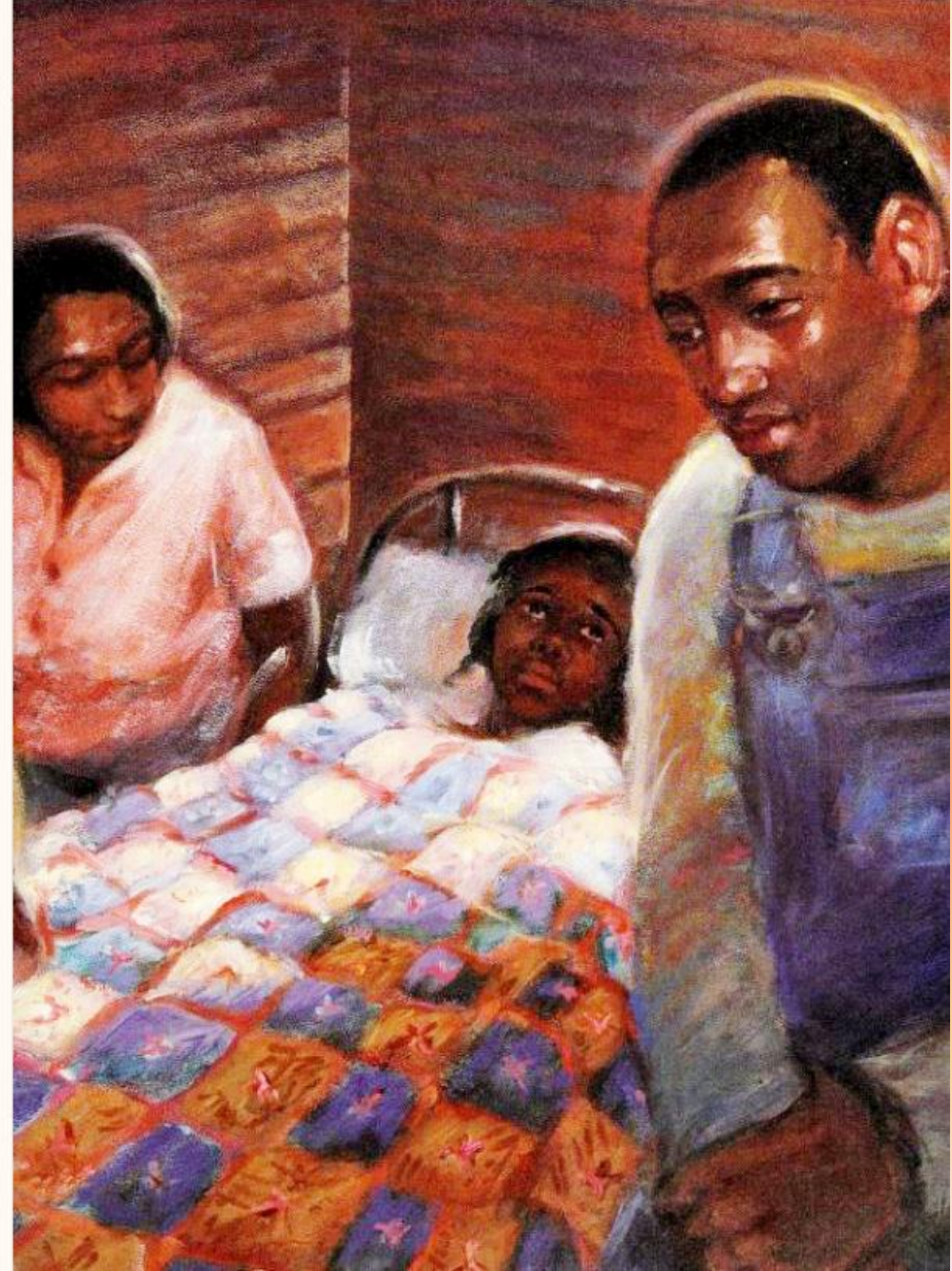
जिस दिन मेबल जीन वापस स्कूल गई, बरसात हो चुकी थी। जब स्कूल बस उनके पास से गुज़री मेबल जीन और जैफ पर गंदला पानी उछला। मेबल जीन के जूते तर-बतर हो गए। उसके पैर जूतों के अन्दर इस कदर फिसलते और रगड़ खाते रहे कि उन पर छाले पड़ गए।

"अगली बार अगर जूते भीग जाएं जो उन्हें उतार लेना," माँ ने उसे सलाह दी। "सैंधा नमक का यह पानी तुम्हारे पैरों की मदद करेगा, पर उनकी जो हालत है उससे लगता है कि तुम्हें कुछ दिन घर में ही रहना पड़ेगा।"

"घर में रहना होगा!" मेबल जीन रो पड़ी। "मैं स्कूल जाना चाहती हूँ। हम भी गोरे बच्चों की तरह बस से स्कूल क्यों नहीं जा सकते?"

"मेबल जीन," उसके पापा ने जवाब दिया। "तुम्हें पता है कि जो लोग काउंटी (स्थानीय प्रशासन) चलाते हैं, वे हम लोगों के लिए स्कूल बस मुहैय्या नहीं करवाते।"

"क्या आप किसी से हमें एक बस देने को कह नहीं सकते, पापा?" मेबल जीन ने पूछा।

पापा ने मेबल जीन को बाँहों में भरा। "इतना आसान नहीं है मेबल जीन। मैं भी यह चाहता हूँ, पर किससे कहूँ सूझता ही नहीं।"

उस शाम मेबल जीन ने अपने माँ-बाप को बस पर बातचीत करते सुना। उसके पापा ने कहा, "तुम्हें तो पता है कि यह ज़मीन हमारी नहीं है। अगर हमने ज़रा भी चूँ-चपड़ की, कोई परेशानी खड़ी की, तो वे हमें यहाँ से लतिया कर निकाल देंगे।"
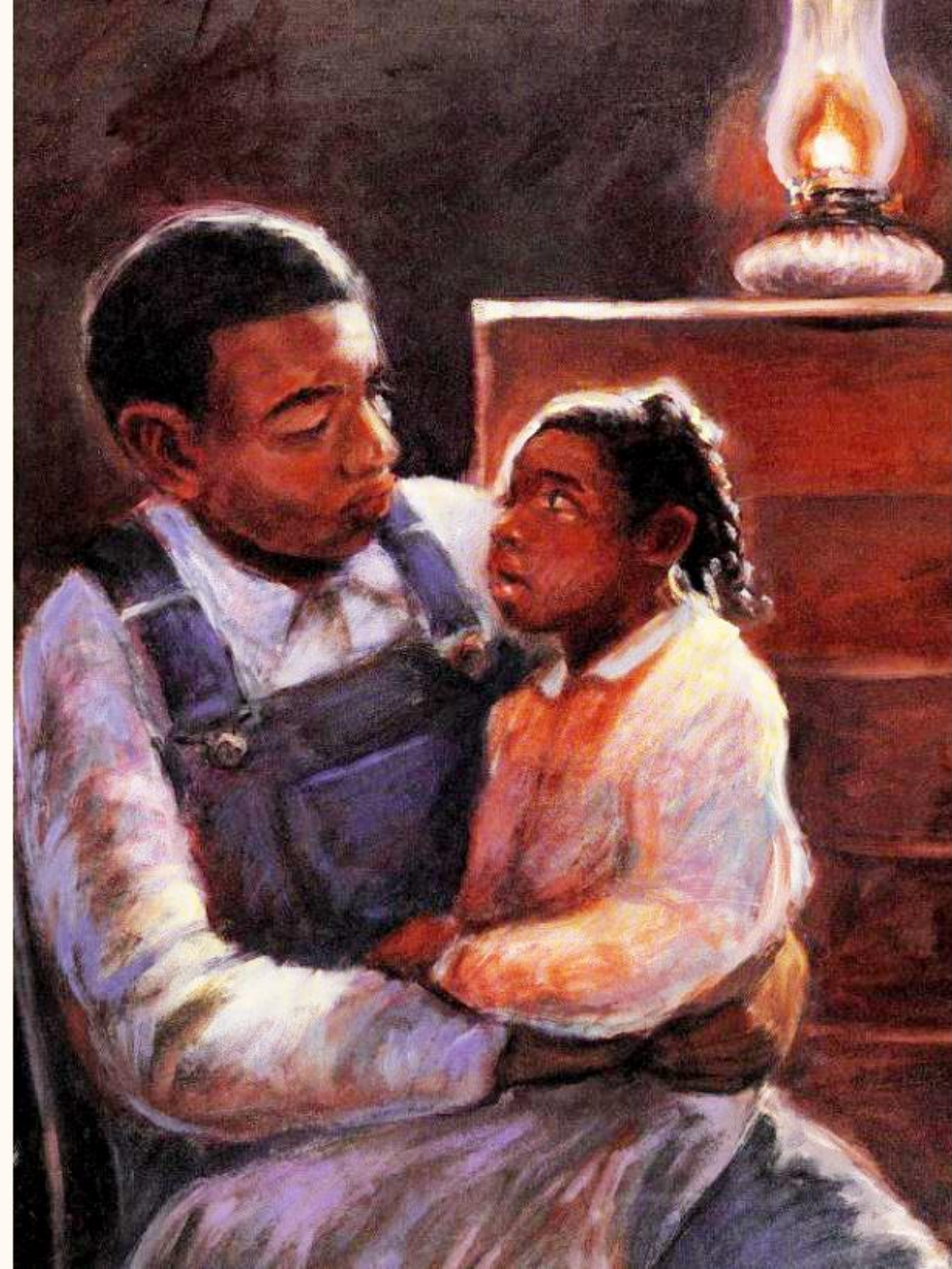
“हमें तुम्हारी कमी खली,” मिज़ पावल ने मेबल जीन के स्कूल लौटने पर कहा। “हमें खुशी है कि तुम वापस आ गई हो।”

“मझे भी लौट कर बड़ी खुशी हो रही है,” उसने जवाब दिया। “मुझे स्कूल अच्छा लगता है, पर मुझे जल्दी ही फिर से आना बन्द करना होगा। इस बार मौसम के कारण।”

“मुझे भी,” हैनरी बोला। “मेरी ममा ने कहा है कि ठंड और बरसात में स्कूल आने पर मुझे मारक ज़ुकाम हो सकता है।”

“आज सुबह ही मैंने ज़मीन पर पाला देखा था,” सैम ने जोड़ा।

“क्या आप किसीसे हमारे लिए एक बस ख़रीदने को नहीं कह सकतीं हैं, मिज़ पावल?” मेबल जीन ने पूछा। “अगर हमारे पास बस होती तो हमें स्कूल आना बन्द नहीं करना पड़ता।”

“जिन्हें मैं जानती हो और जिनसे कहा जा सकता है, वे लोग काउंटी को चलाते हैं,” उन्होंने जवाब दिया। “तम्हारे माता-पिता को उनसे कहना चाहिए।” जब मिज़ पावल यह कह रही थीं मेबल जीन को याद आया कि उसके पापा ने माँ से क्या कहा था। उसे मालूम था कि वे किसी तरह की परेशानी नहीं खड़ी करना चाहेंगे।
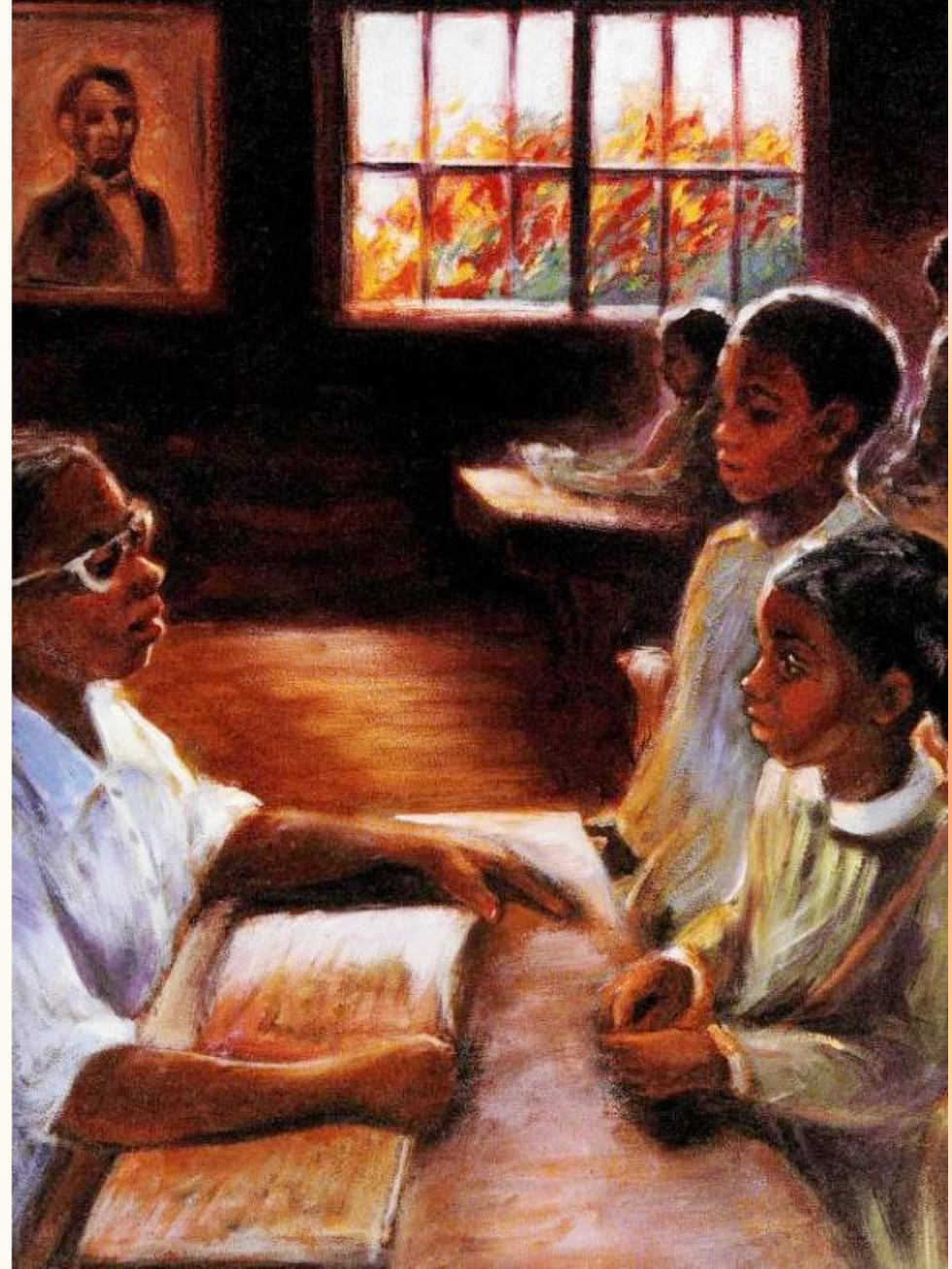
उस दोपहर जब मेबल जीन और जैफ घर वापस जा रहे थे एक शानदार काली गाड़ी उनके पास आकर रुकी। "जैफ," चालक ने आवाज़ लगाई। "बैठो मैं तुम्हें और नन्ही मेबल को घर पहुँचा देता हूँ।"

यह उनका कज़न स्मिथ था, जो शहर से लौट रहा था। उसके पास खूब ज़मीन थी और वह अपने खेतों में काम करने के लिए लोगों को मज़दूरी देता था। जैफ और दूसरे बच्चे कभी-कभार उसके लिए कपास चुन कर कुछ पैसे कमाते थे।

मेबल जीन पिछली सीट पर सरक कर बैठी। जैफ भी उसके बाद घुसा। वह पहले कभी इतनी शानदार गाड़ी में बैठी ही नहीं थी। उसे पता था कि वह बहुत महंगी होगी। अगर कज़न स्मिथ के पास ऐसी गाड़ी ख़रीदने के पैसे थे, तो शायद...

"कज़न स्मिथ," उसने घर के सामने गाड़ी रुकने पर कहा।

"क्या है, नन्ही मेबल?" उसने पूछा।

"ऐसा है..." वह झिझकी। "क्या आप हमारे लिए एक बस ला सकते हैं? मुझे और मेरे दोस्तों को जल्दी ही ठण्ड के कारण स्कूल जाना बन्द कर देना होगा। पर हम स्कूल जाना बन्द नहीं करना चाहते। अगर बस होती तो हमें ऐसा न करना पड़ता। और मेरे पैर भी बार-बार चोटिल नहीं होते, जैसे अभी होते हैं।"

"बस? मैं मदद तो करना चाहता हूँ नन्ही मेबल, पर मैं बस के बारे में कुछ भी नहीं जानता।"
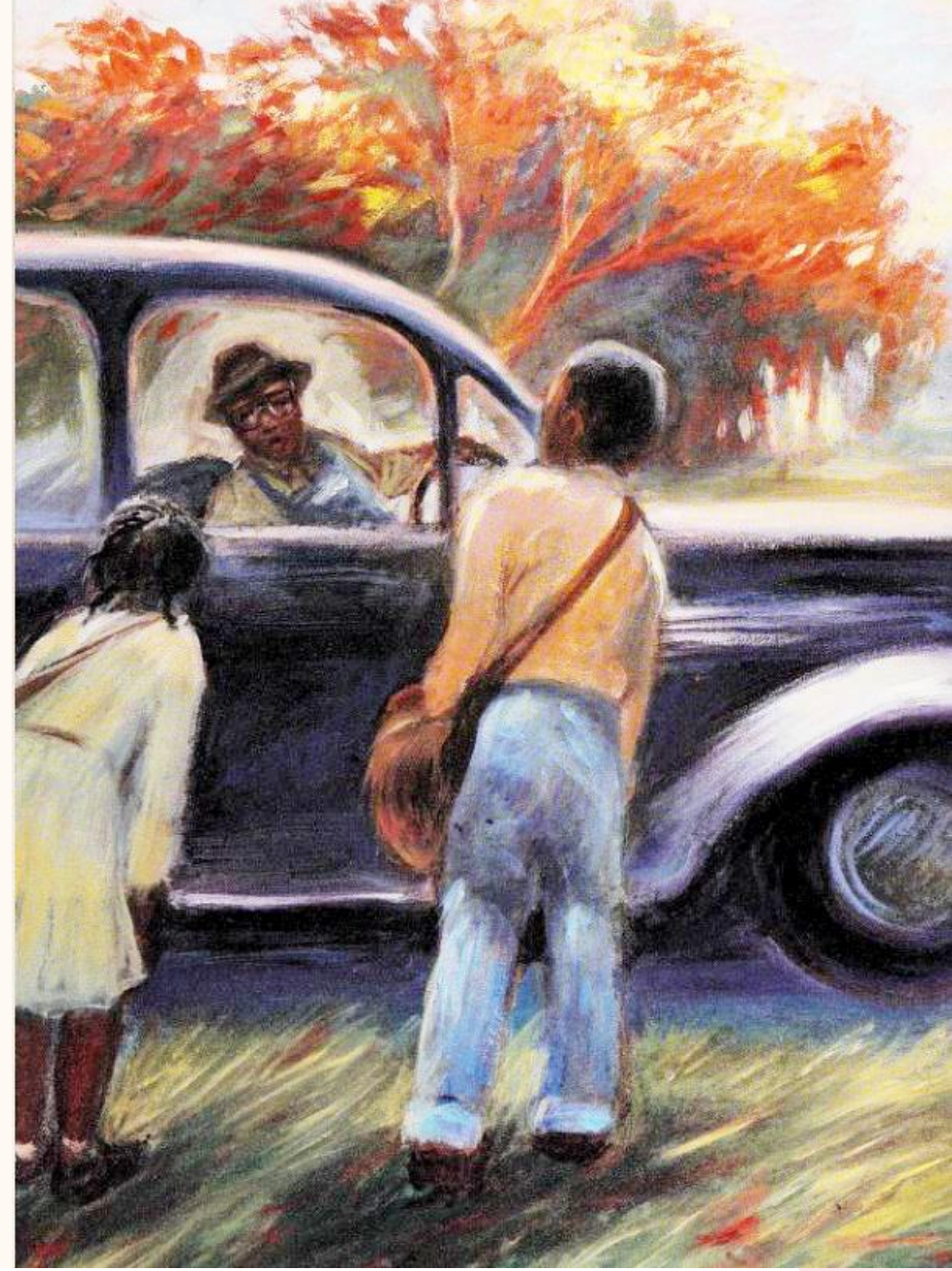
मेबल जीन दुआ करती रही कि कज़न स्मिथ बसों के बारे में जानकारी हासिल कर लें। और कुछ ही समय में उन्होंने ऐसा कर भी लिया। अगले सप्ताह जब कज़न स्मिथ की गाड़ी घर के सामने रुकी, वह आशा से भर बाहर को भागी।

"पिछले सप्ताह नन्ही मेबल ने मुझसे पूछा था कि क्या मैं एक स्कूल बस ला सकता हूँ," कज़न स्मिथ ने मेबल जीन के माता-पिता को बताया। "मैं इस पर सोचता रहा। मैंने तय किया है कि मैं एक बस ख़रीदूँगा, बशर्ते सभी बच्चों के माँ-बाप मदद करने को तैयार हों। उन्हें बच्चों को बस में सवारी करने के पैसे देने होंगे। मैं जानता हूँ हम सब कर चुकाते हैं, और कायदे से हमारे बच्चों के लिए भी बस होनी चाहिए। पर लगता है कि हमारे बच्चे ठीक से पढ़-लिख सकें इसके लिए हमें दुगना खर्चा करना होगा।"

"मैं पता करती हूँ कि बाकी लोग क्या कहते हैं," मेबल जीन की माँ ने कहा
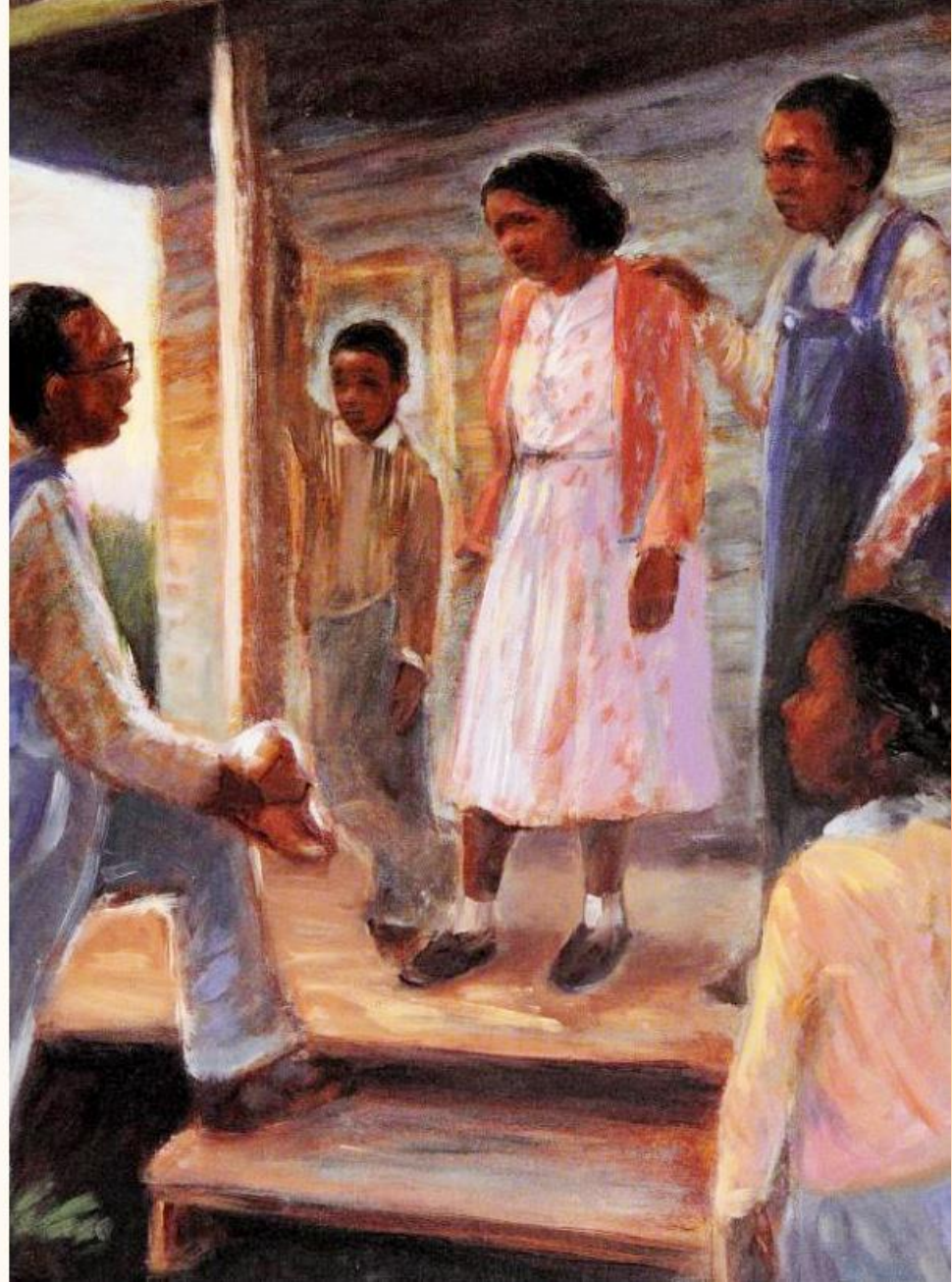
अगले ही इतवार माँ ने गिरजे में एक ऐलान किया। ''हमारे अपने भाई स्मिथ ने अपने बच्चों के लिए एक स्कूल बस लाने की योजना बनाई है,'' उन्होंने कहा। ''पर हमें भी सहयोग देना होगा। हमें बच्चों को उसमें सवारी करने के लिए अलग से पैसे देने होंगे। जो भी इस कोशिश से जुड़ना चाहता है वह प्रार्थना के बाद पेड़ के नीचे मुझसे मिले।''
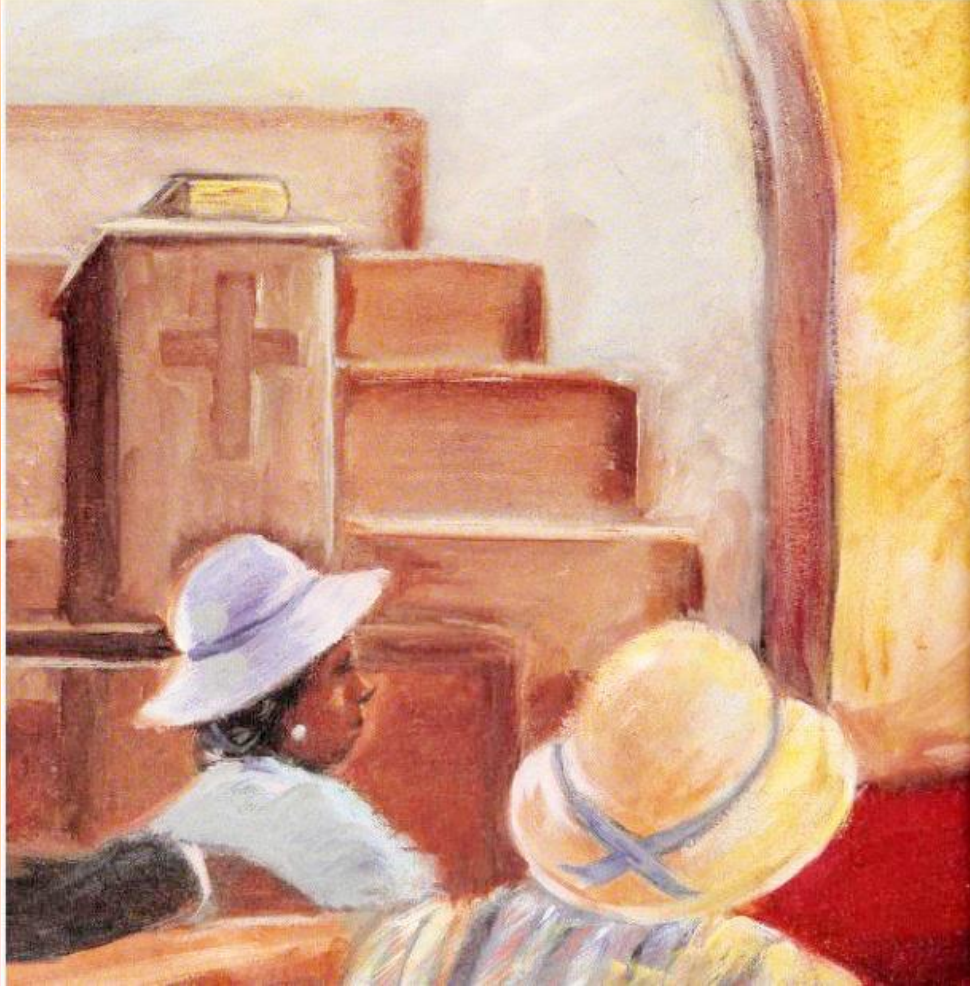
“हमारे बच्चों को आगे बढ़ने के लिए अच्छी शिक्षा चाहिए। पर अगर वे स्कूल पहुँच ही नहीं सकेंगे तो भला शिक्षा कैसे पाएंगे?” मेबल जीन की माँ ने प्रार्थना के बाद पेड़ के नीचे जमा लोगों से कहा।

“मैं इस्तरी करने का एक और काम पकड़ सकती हूँ,” मिज़ मैकडॉनल्ड बोलीं।

“मैं स्कूल के बाद कपास चुन सकता हूँ,” हैनरी के बड़े भाई ने कहा।

“मैं कपड़े धोने का दूसरा काम तलाश सकती हूँ,” मिज़ राउसर ने प्रस्ताव रखा।

दूसरे बच्चों के माता-पिता भी बस में सवारी करने के पैसे देने को सहमत हुए। “लगता है जिस शुरुआत की हमें दरकार थी, वह हो चुकी है,” मेबल जीन की माँ ने खुश हो कहा।
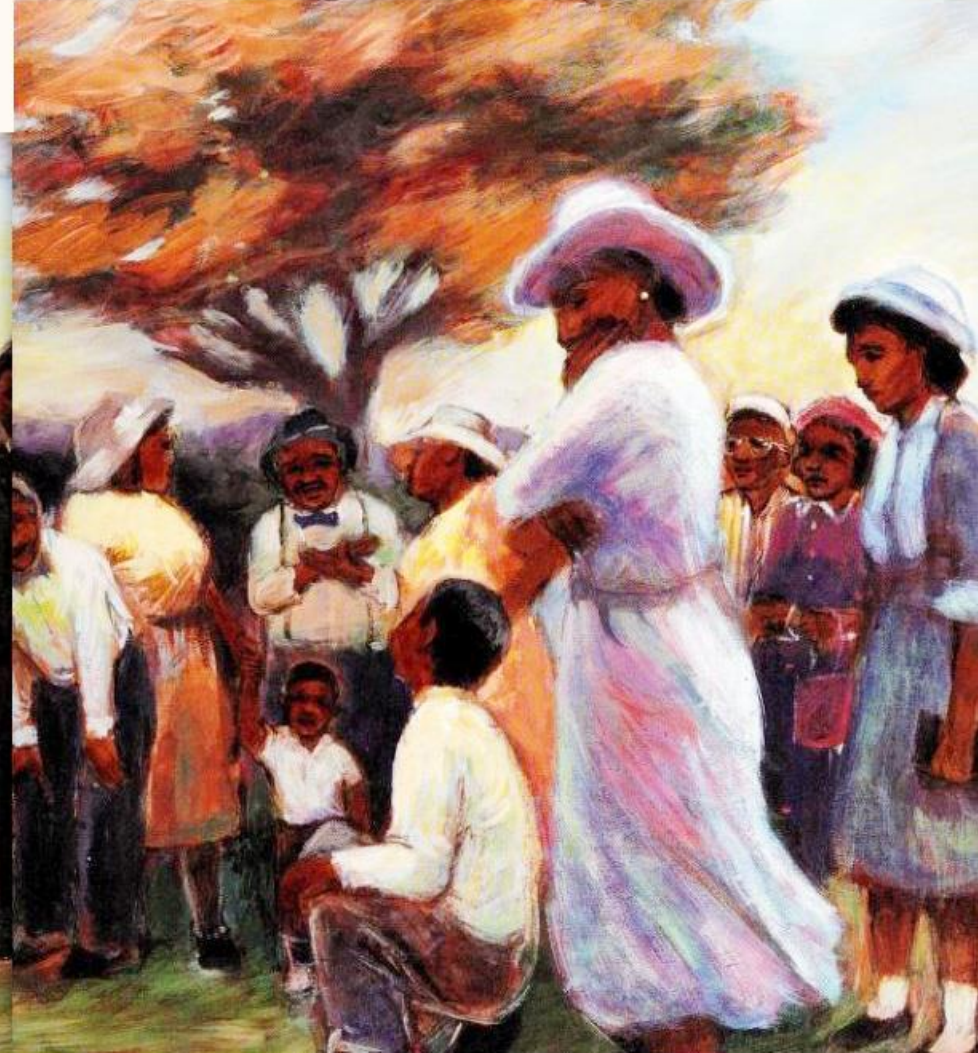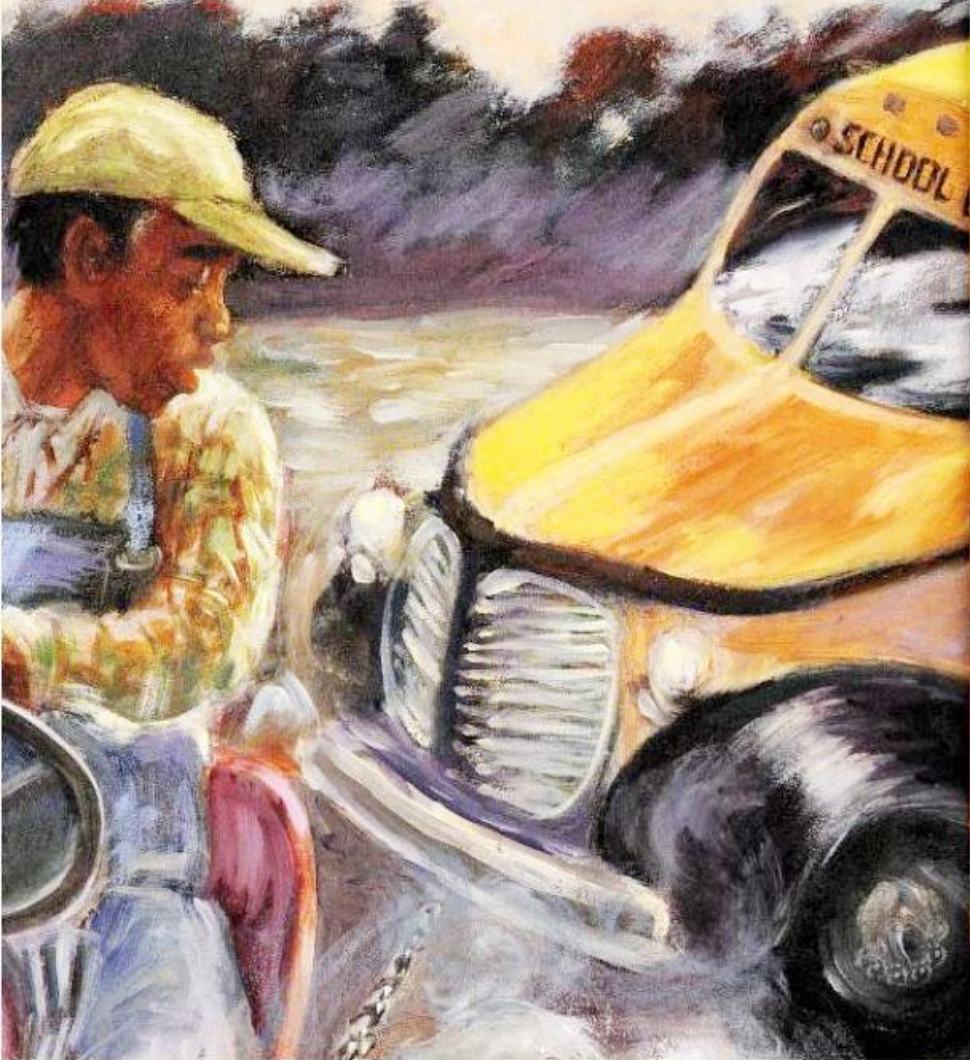
कज़न स्मिथ ने अपनी योजना पर अमल किया। उन्होंने एक पुरानी बस ख़रीद ली जो गोरे बच्चों के स्कूल की थी। पर वह इस कदर खस्ताहाल थी कि घर तक पहुँचने के पहले, रास्ते में ही ठप्प हो गई। ''लगता नहीं है कि इससे बात बनेगी,'' मेबल जीन के पापा ने ट्रैक्टर से उसे बांधते कहा।
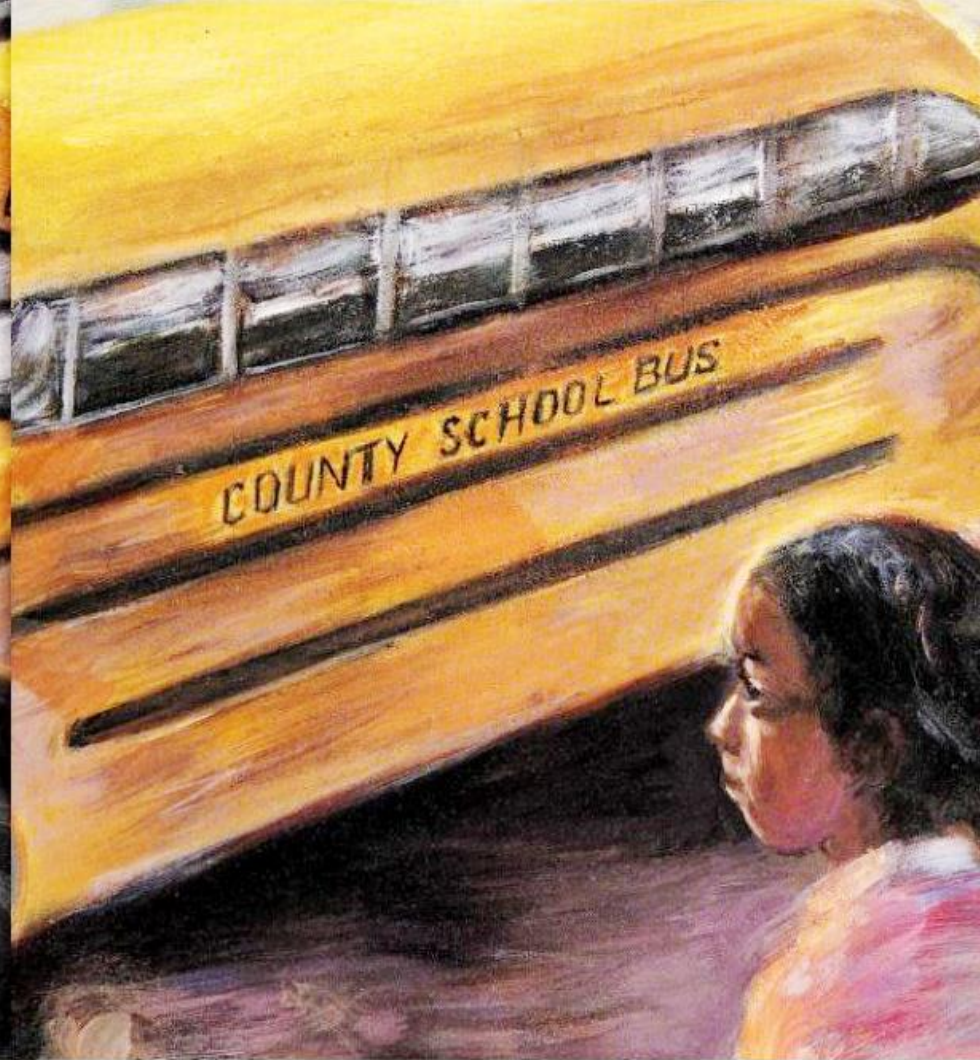
''हाँ, पर कई बार एक बनाने के लिए दो की ज़रूरत पड़ती है,'' कज़न स्मिथ ने जवाब दिया।

''एक बनाने के लिए दो?'' मेबल जीन सोच में पड़ गई। तब उसे याद आया कि नानी एक शमीज़ बनाने के लिए आटे के दो बोरों को जोड़ा करती हैं।
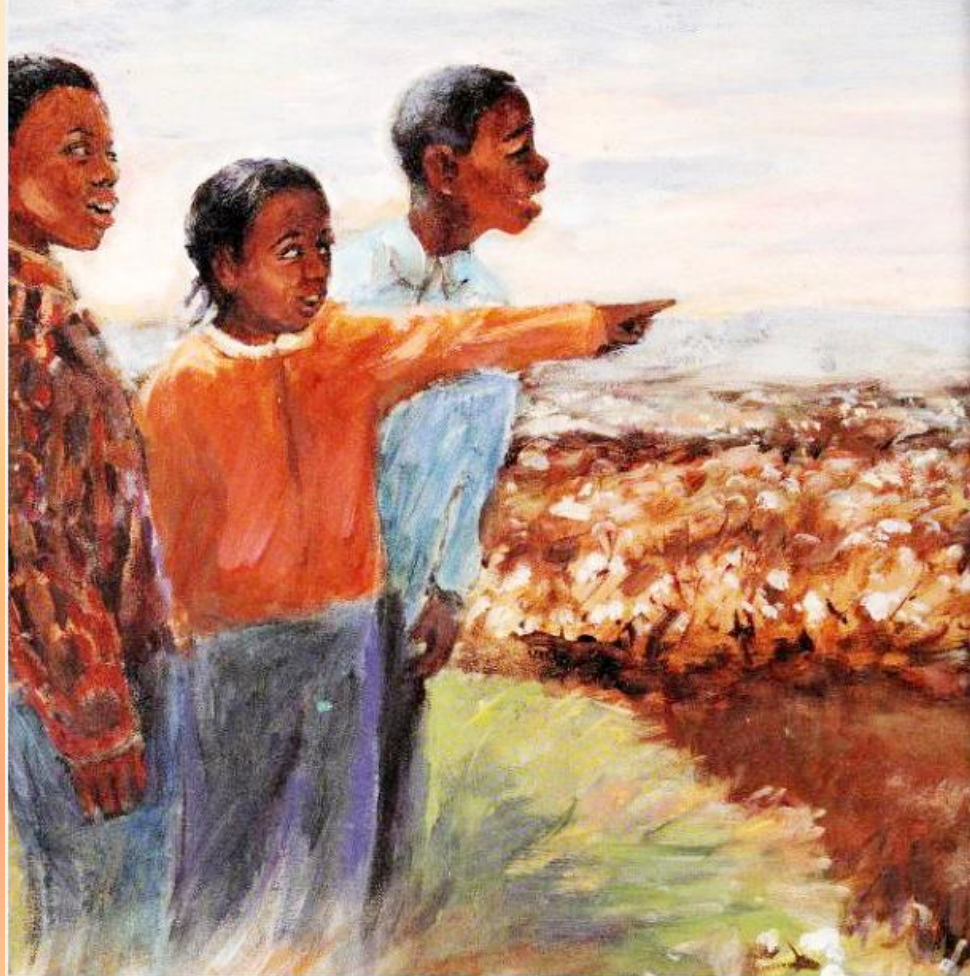
"कज़न स्मिथ ने बस तो ख़रीद ली," मेबल जीन ने अपने दोस्तों से शिकायती स्वर में कहा। "पर वह इतनी पुरानी है कि चलती ही नहीं। मेरे पापा इस शनिवार को उसकी मरम्मत करने में मदद करेंगे। पर अगर उनसे वह ठीक नहीं होती तो हमें पैदल ही स्कूल जाना पड़ेगा।"

"मेरे पापा गाड़ियों की मरम्मत करते हैं। मैं उनसे बस के बारे में पूछूँगा," सैम ने कहा।

"मैं भी अपने डैडी से मदद करने को कहूँगा," हैनरी ने जोड़ा।

उस शनिवार जब वे कज़न स्मिथ के घर पहुँचे, सब अचम्भे में पड़ गए। वहाँ एक के बजाए दो पुरानी बसें खड़ी थीं।
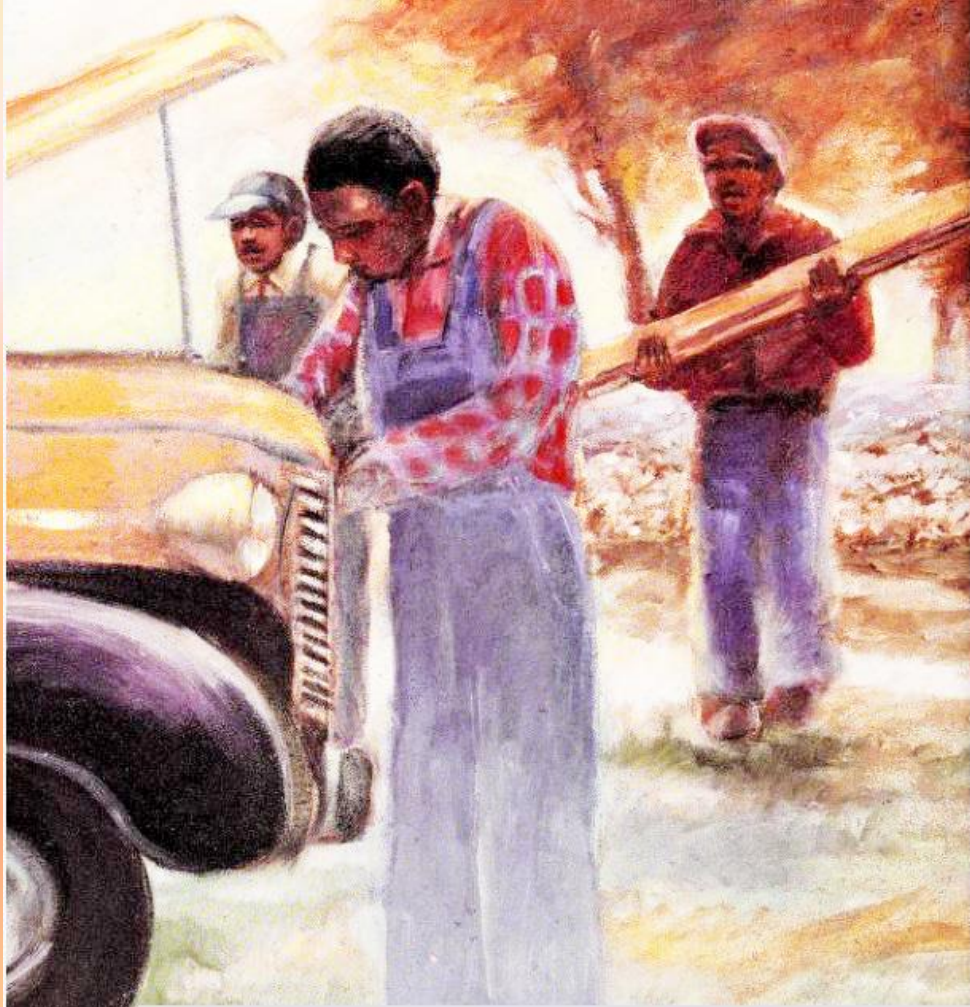
तब सबकी मदद से दोनों बसों के सबसे अच्छे हिस्से निकाले गए, ताकि उन्हें जोड़-जाड़ कर एक अच्छी बस बनाई जा सके।

''मुझे इंजन देखने दो,'' सैम के पापा ने कहा।

''मैं पहिए ठीक करता हूँ,'' हैनरी के डैडी बोले।

''मैं बस का नया फर्श बनाने के लिए लकड़ी लाया हूँ,'' लूइस के डैडी ने कहा।

मेबल जीन के पापा और भाई ने दो लम्बी बैंचें बनाई थीं।

''मैं भी मदद करना चाहती हूँ,'' मेबल जीन चहकी।

''तुम रंगने में मदद कर सकती हो,'' उसके पापा ने सुझाया। जब बैंचें सूख गईं, उन्हें खिड़कियों की दोनों कतारों के नीचे लगा दिया गया। बस का अंदरूनी हिस्सा अब तैयार था। जल्द ही बाहरी भी तैयार कर दिया गया।

बस से स्कूल जाने की पहली सुबह मेबल जीन और जैफ अपने बस स्टॉप पर काफ़ी जल्दी पहुँच गए। परिवार के लोग, दोस्त और पड़ौसी भी उनके साथ खड़े थे।

"लो बस आ रही है!" मेबल जीन खुशी से चीख पड़ी। सभी लोगों ने बस के आने पर तालियाँ बजाईं और हाथ हिला कर उसका स्वागत किया।
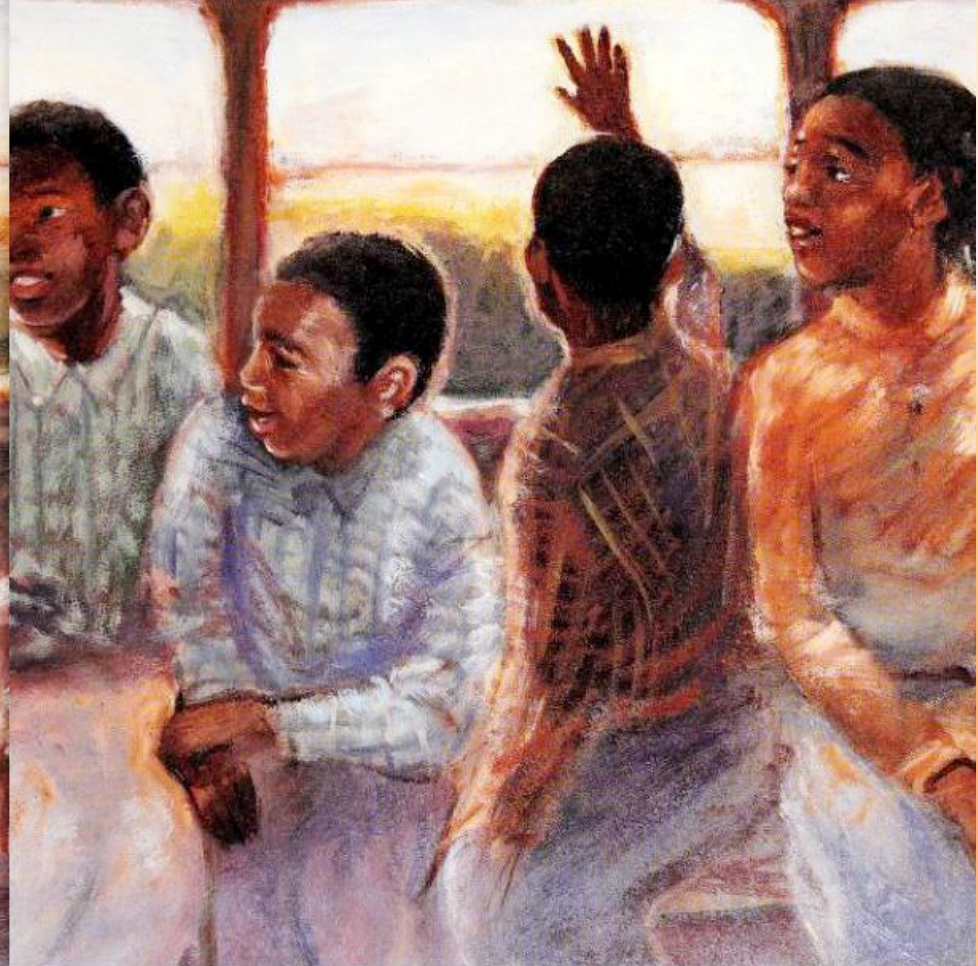
"हमारे लिए बस का बंदोबस्त करने के लिए शुक्रिया कज़न स्मिथ," मेबल जीन ने बस में चढ़ते हुए कहा। तब उसने पाँच सेंट कज़न स्मिथ को पकड़ाए और ठीक उनके पीछे जा कर बैंच पर बैठ गई।

बस चलने लगी तो लोगों ने खुशी ज़ाहिर की। आख़िर वे सब काले बच्चों को स्कूल बस में सवारी करते देखने जो आए थे।

सबने माना कि इस दृश्य को देखने के लिए दुगना भुगतान करना जायज़ था।

## लेखक की टिप्पणी

वास्तविक घटनाओं पर आधारित 'एक बस हमारी अपनी' (अ बस ऑफ आवर ओन), मैडिसन, मिसिसिपी के रिडली हिल बैप्टिस्ट चर्च के अफ़्रीकी-अमरीकी समुदाय के जज़्बे को दर्शाती है। कथा का समय द्वितीय विश्व युद्ध के बाद और नागरिक अधिकार आंदोलन की शुरुआत के पहले का है। हालांकि अफ़्रीकी-अमरीकी नागरिक कर देते थे और उनमें से कईयों के पास ज़मीनें भी थीं, उन्हें 'पृथक' पर 'असमान' जन सेवाएं, जैसे स्कूल और स्कूल पहुँचने के साधन, मिला करते थे।

मेबल जीन के परिवार की ही तरह अधिकतर अफ़्रीकी-अमरीकी परिवार जो ज़मीन के मालिक नहीं थे वे बंटाई की खेती करते थे। इसके तहत उन्हें उपज का एक हिस्सा मिलता था, पर मेहनत-मज़दूरी के नाम पर बहुत कम या कुछ भी नहीं। यह व्यवस्था बंटाईदार को हमेशा ज़मीन मालिक का कर्ज़दार बनाए रखती थी या आधी गुलामी की स्थिति में रहने को मजबूर करती थी।

1949 में मिसेज़ कैरी बैल लूइस के नेतृत्व में, जिनकी बेटी मेबल मैक्सीन इस कहानी की मेबल जीन है, समुदाय के दूसरे माता-पिताओं के सक्रिय सहयोग से क्लिफ्टन डब्ल्यू 'स्मिथ' कॉटन ने अफ़्रीकी-अमरीकी बच्चों के लिए पहली बस ख़रीदी और चलानी शुरू की।

सामुदायिक कोशिशों से 1950 में मैडिसन काउंटी स्कूल बोर्ड ने मिस्टर कॉटन के साथ एक करार किया कि वे दो बसें उपलब्ध करवाएंगे और उन्हें प्रति माह हर बस के लिए 120 डॉलर का भुगतान किया जाएगा। तब उनके छोटे भाई जो ई. कॉटन, सीनियर ने दूसरी बस ख़रीदी और चलाई। 1954 में काउंटी ने अफ़्रीकी-अमरीकी बच्चों के लिए बसें उपलब्ध करवाईं ओर उनके चालक नियुक्त किए। यही वह वर्ष भी था जब 'ब्राउन बनाम बोर्ड ऑफ एज्युकेशन' मामला चला, जिसमें अमरीका की सर्वोच्च अदालत ने सर्वसम्मति से यह फ़ैसला दिया कि नस्ली आधार पर पृथक स्कूल अल्पसंख्यकों को शिक्षा के समान अधिकार से वंचित रखते हैं, जो असंवैधानिक है।

मेबल मैक्सीन लूइस (बाद में सीटन) ने स्थानीय स्कूल से आठवीं और टूगलू, मिससिपी के टूगलू प्रिपरेटरी स्कूल से हाई स्कूल तक की पढ़ाई पूरी की। 1968 में उन्होंने टूगलू कॉलेज से आरंभिक शिक्षा (एलीमेंटरी एज्युकेशन) में बीए की डिग्री प्राप्त की।